Congratulations to **Dr. Mitesh Kumar Dwivedi** for delivered Expert talk on "What goes wrong with immune system and melanocytes in Vitiligo?" at Amity Institute of Biotechnology, Amity University, Jharkhand, Ranchi, India on 10th September 2021.





Ref. No. AUJ/VC/2021/0605

Thursday, 21 October 2021

Zoom out (Ctrl+Minus)

LETTER OF APPRECIATION

The Amity University Jharkhand, Ranchi appreciates the time & efforts of Dr. Mitesh Kumar Dwivedi, Asst. Professor & Principal Investigator-SERB Projects, UKA Tarsadia University, Maliba Campus, Gujrat (India) and Thank you for your stimulating research based speech on What Goes Wrong with Immune System & Melanocytes in Vitiligo? at Amity University Jharkhand on 10/09/2021 through virtual platform. Your comments were especially helpful to those doing research as well as for the academicians in the Indian Origins.

Please accept our sincere appreciation for the outstanding presentation you made to the Amity University Jharkhand about your experiences. The slides you showed gave us a close look on the latest current research in the field of Medical Biotechnology & its importance towards recovery from Vitiligo that we couldn't have gained in any other way.

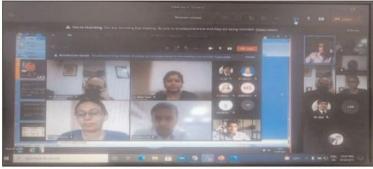
Thank you so much for sharing your time and experiences with us.

Prof. (Dr.) Raman Kumar Jha Vice Chancellor, AUJ

VICE CHANCELLOR Amity University Campus, Niwaranpur, Main Road, Adjoining Over Briaga, Ranchi, Jharkhana.

Amity University Campus, Maxempus, Main Read, Adjuining Over Entips, Tarcelic Joshbard (1900A) | 36: + 9172 628 77774/9 | Entail: refor@mc.amity.adu | Blababa: www.amity.edu/banch

अएमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने विटिलिगो में इम्यून सिस्टम और मेलानोसाइट्स के साथ क्या गलत है



को प्रो. (डॉ.) अजीत कुमार पांडे, निदेशक, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने संबोधित किया, जिन्होंने इस आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि ÷ये कार्यक्रम रोग जागरूकता फैलाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।+ उसके बाद अतिथि वक्ताओं और प्रतिभागियों के बीच एक संवाद सत्र हुआ। एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने पलों की शोभा बढ़ाई। टिप्पणी एवं धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। ĩ

ī

7

7

ī

ī

ī

ī

7

ē

f

ī

...

-

-

ī

विटिलिगो के विकास में मेलानोसाइट्स की भूमिका पर एक अंतर्दृष्टि दी। उन्होंने इंटरफेरॉन गामा आनुवॉशक रूपों की भागीदारी पर भी जोर दिया जो विटिलिगो की प्रगति में मदद करते हैं। इसके अलावा उन्होंने टी-कोशिकाओं को शामिल करने के लिए प्रोबायोटिक्स के उपयोग के बारे में चर्चा की और एक परिकल्पना की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा, +रिपोर्टो से पता चलता है कि विटिलिगो एक रोग हैं द्य इसके अलावा कार्यक्रम

10 सितंबर, 2021 को एमिटी युनिवर्सिटी झारखंड ने एक ऑनलाइन गेस्ट लेकर का आयोजन किया। सत्र ÷विटिलिगो में प्रतिरक्षा प्रणाली और मेलानोसाइटस के साथ क्या गलत होता है÷ विषय पर आधारित था। आयोजन का उद्देश्य ऑटो इम्यून डिसऑर्डर विटिलिगो, एक आम त्वचा की समस्या और यह हमारे शरीर को कैसे प्रभावित करता है, की समझ प्रदान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रख्यात अतिथि वक्ताओं के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद (डॉ.) रमन कुमार झा, कुलपति, एमिटी विश्वविद्यालय, झारखंड, प्रो. (डॉ.) अजीत कुमार पांडे, निदेशक, एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड और श्री प्रभाकर त्रिपाठी, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के रजिस्ट्रार ने अपनी उपस्थिति से इस तरह के आयोजन के लिए टीम को आशीर्वाद दिया और उसकी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मितेश कुमार द्विवेदी, सहायक प्रोफेंसर और प्रधान अन्वेषक - एसईआरबी प्रोजेक्ट्स, उका तरसाडिया विश्वविद्यालय थे। उन्होंने ऑटो प्रतिरक्षा विकारों के उद्भव के बारे में बात की और